

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी/अध्यक्ष,
डी.डी.एम.ए., रुद्रप्रयाग।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 2। अप्रैल, 2016

विषय:- श्री केदारनाथ यात्रा-2016 की व्यवस्थाओं एवं गतिमान पुनर्निर्माण कार्यों हेतु एस.डी.एम.ए. मद के अंतर्गत धनावंटन किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-346/डी.डी.एम.ए./2015-16, दिनांक 03 अप्रैल, 2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से दिनांक 09 मई, 2016 को प्रारम्भ होने वाली श्री केदारनाथ यात्रा की व्यवस्थाओं, गतिमान पुनर्निर्माण कार्यों, वर्ष 2015-16 में हुई अतिवृष्टि/भूस्खलन/बर्फवारी व एवलांच से यात्रा मार्ग पर हुई क्षतियों की मरम्मत/पुनर्निर्माण व Route Opening, यात्रियों की सुविधा, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व तैनात कर्मियों/यात्रा में आने वाले यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा, पुलिस/एस.डी.आर.एफ., संचार तंत्र के सुदृढीकरण हेतु ₹ 4.00 करोड़ की धनराशि शासनादेश संख्या-966, दिनांक 06 अप्रैल, 2015 में नियत प्राविधानों के अनुसार आगणनों को डी.डी.एम.ए. की टी.ए.सी. द्वारा परीक्षण कर कराये जाने हेतु आवंटित किये जाने की अपेक्षा की गई है।

2- उपरोक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सम्यक विचारोपरान्त श्री केदारनाथ यात्रा की व्यवस्थाओं, गतिमान पुनर्निर्माण कार्यों, वर्ष 2015-16 में हुई अतिवृष्टि/भूस्खलन/बर्फवारी व एवलांच से यात्रा मार्ग पर हुई क्षतियों की मरम्मत/पुनर्निर्माण व Route Opening, यात्रियों की सुविधा, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व तैनात कर्मियों/यात्रा में आने वाले यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा, पुलिस/एस.डी.आर.एफ., संचार तंत्र के सुदृढीकरण हेतु ₹ 2.00 करोड़ (₹ दो करोड़ मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आहरित कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त कार्य पुनर्निर्माण कार्यों के निरन्तरता व यात्रा व्यवस्था की तैयारी से सम्बन्धित है। अतः उक्त कार्यों को शासनादेश संख्या-966, दिनांक 06 अप्रैल, 2015 में निर्धारित प्राविधानों के अनुसार कराये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है।
2. स्वीकृत धनराशि का उपयोग उसी मद में किया जायेगा, जिस मद हेतु धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्यों में किसी प्रकार का दोहराव न हो।
3. स्वीकृत धनराशि का उपयोग के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है तो उसे तत्काल शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

4. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को दृष्टिगत रखते हुए प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को कराते समय पालन करना सुनिश्चित किया जायेगा।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2017 तक उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध करा दिया जायेगा।
6. व्यय की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में लेखाकन एवं लेखा परीक्षण का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व जिलाधिकारी/अध्यक्ष, डी.डी.एम.ए., रुद्रप्रयाग का होगा।
7. किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में कार्य प्रारम्भ किये जाने तथा कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त फोटोग्राफ/अभिलेख आदि सुरक्षित रखे जायेंगे तथा वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की सूचना शासन को अवगत कराया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि के उपयोग के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है तो उसे दिनांक 31.03.2017 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
9. शासनादेश संख्या-966, दिनांक 06 अप्रैल, 2015 की शेष शर्तें यथावत् लागू रहेंगी।

3- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (1 अप्रैल से 31 जुलाई, 2016 तक) के अनुदान संख्या-06 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03-आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0पत्र संख्या-04 P/वित्त अनु0-5/2016, दिनांक 19 अप्रैल, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)

सचिव

संख्या-814 (1)/XVIII-(2)/2016-4(20)/2016, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
5. अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
8. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से



(प्रदीप कुमार शुक्ल)

अनु सचिव


21-4-2016